दक्षिण की 130 सीटों पर

कांग्रेस के लिए मुश्किलें हजार

तकरीबन सौ दिन बचे हैं और उसके बाद हम 15 वीं लोकसभा चुनेंगे। दक्षिण के चार राज्यों और पांडीचेरी से 545 सदस्यों वाले इस सदन के लिये 130 सदस्य चुनकर आते हैं। लोकसभा के तरकीबन एक चौथाई सदस्य यहीं से चुने जाते हैं, इसलिये केन्द्र सरकार के बनने-बिगाड़ने में इनकी भूमिका खासी महत्वपूर्ण होती है। इसलिये यह देखना दिलचस्प होगा कि केन्द्र में सरकार बनाने के दो मुख्य दावेदारों, कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी की इन राज्यों में क्या स्थिति है। क्या ये पार्टियां यहां अपने बूते पर चुनाव लड़ सकने की स्थिति में है? और स्थानीय दलों के साथ गठजोड़ करने की उनकी क्या संभावनाएं हैं?

दोनों ही दलों की संभावनाएं बहुत अच्छी नहीं हैं, लेकिन देश के इस हिस्से में उनकी तुलना नहीं हो सकती। कांग्रेस एक जमाने में इस इलाके की एक बड़ी ताकत रही है, लेकिन वह लगातार क्षेत्रीय दलों के सामने हार मानती जा रही है। और ऐसी कोई भी संभावनाएं नज़र नहीं आ रही हैं कि आने वाले कुछ समय में वह अपने पुराने गौरवकाल में लौट सकेगी। दूसरी तरफ भाजपा विंध्य पर्वत के उस पार पैर जमाने की भरसक कोशिश कर रही है लेकिन अभी तक वह कांग्रेस के कमजोर होते आधार का खास फायदा नहीं उठा सकी है। कर्नाटकके अलावा वह कहीं भी बड़ी ताकत नहीं है। और कर्नाटक में भी वह पिछले साल मई में ही सरकार बनाने की स्थिति मे आई है। पहले कांग्रेस की संभावनाओं की बात करते हैं।

भारतीय राजनीति का यह सबसे पुराना दल साठ के दशक के बाद कभी भी तामिलनाडु में सरकार बनाने की स्थिति में नहीं आ सका। पिछले चार दशक से भी ज्यादा से राज्य पर दोनों में से किसी एक द्रविड़ पार्टी का ही कब्जा है। ऐसा भी नहीं है कि कांग्रेस का राज्य में कोई आधार ही नहीं है। राज्य में इसका समर्थन करने वालों की तादाद खासी है, लेकिन वह केंद्र में समर्थन पाने के लिए राज्य में अपने आधार का हमेशा ही बलिदान कर देती है। लंबे समय से राज्य सरकार में हिस्सेदारी न होने के कारण इसका आधार भी सिकुड़ता जा रहा है और राज्य की राजनीति में इसका रुतबा भी। 1996 में अन्नाद्रमुक को समर्थन देने के मामले में पार्टी में विभाजन हो गया था। और अब, जब इससे अलग हुआ धड़ा, तमिल मन्निला कांग्रेस वापस लौट चुका है, पार्टी इस स्थिति में नहीं है कि निकट भविष्य में जयललिता की अन्नाद्रमुक से हाथ मिला सके। वह केंद्र में उसकी यूपीए सरकार समर्थन देने वाले द्रमुक के साथ है, जिसे इस बार वोटरों के सख्त सत्ता विरोधी रुख का सामना करना होगा। अस्सी की उम्र पार कर चुके एम. करुणानिधि अपने बेटे स्टालिन को आगे बढ़ा रहे हैं और इसे लेकर भी काफी नाराजगी दिख रही है।

इसका तुरंत असर यह है कि माकपा पाला बदल कर अन्नाद्रमुक के साथ चली गई है। ये सारी चीजें कांग्रेस-द्रमुक गठजोड़ के खिलाफ जा सकती हैं। इस बार 2004 वाले नतीजों की उम्मीद तो नहीं ही की जा सकती, जब अन्नाद्रमुक को करारी मात देते हुए इस गठजोड़ ने लोकसभा की सभी 39 सीटों पर कब्जा जमा लिया था। केरल में भी कांग्रेस की यही कहानी है। 1979 में जब इसने राज्य में मुस्लिम लीग के साथ गठजोड़ करके यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट बनाया था तो इसने अपनी स्वतंत्र हैसियत को त्याग दिया था।

राजनैतिक रूप से काफी जागरुक रहने वाले इस छोटे से प्रदेश में हमेशा यूडीएफ और एलडीएफ में कड़ी टक्कर होती है। पिछले लोकसभा चुनाव में यूडीएफ को यहां 20 सीटें मिली थीं, इस बार इनकी संख्या बढ़ने की संभावना है। हालांकि यह इतनी भी नहीं बढ़ेगी कि तामिलनाडु में हुई कमी की भरपाई हो सके।

इन राज्यों में सिर्फ आंध्र प्रदेश ही है, जो अभी भी कांग्रेस का गढ़ है। और यही अकेला राज्य है, जहां लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा के चुनाव भी होने हैं। पिछली बार कर्नाटक में भी लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा के चुनाव हुए थे। लेकिन इस बार वहां पिछली मई में ही मध्यावधि चुनाव हो गए। आंध्र प्रदेश में दो चीजें हैं, जो कांग्रेस के खिलाफ जाती हैं।

खबरों में आगे ......

खूबसूरती हो तो ऐसी

मैक्सिको की सुंदरी सलमा हायेक की खूबसूरती के दीवाने जहां दुनिया भर में मौजूद हैं, वहीं सलमा को अपने आकर्षक व्यक्तित्व से ज्यादा अपने मां होने पर गर्व है. सलमा का कहना है कि उन्हें चरम आनंद आता है, जब वह अपनी बेटी वेलेंतीना को दूध पिलाती हैं. शायद इतना सुख किसी अल्कोहलिक को शराब पीकर भी न मिलता हो. हाल ही में उन्होंने सिरा लियोन की एक शरणार्थी के बच्चे को दूध पिलाया, क्योंकि बच्चे की मां उसे अपनी शारीरिक कमजोरी के कारण दूध पिला नहीं पा रही थी. हायेक का मानना है कि बच्चे को दूध पिलाने से मां और बच्चे के बीच रिश्ता मजबूत होता है और इससे महिलाओं की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है. खूबसूरती हो तो ऐसी.

कार से इश्क

आशिक मिजाज के मशहूर पेंटर एमएफ हुसैन 92 साल की उम्र में फिर से इश्क में पड़ गये हैं. यह बात और है कि इस बार वह पहले की तरह माधुरी, तब्बू और अमृता राव जैसी किसी अभिनेत्री के मोह में नहीं, बल्कि एक नई कार पर फिदा हो गये हैं. जनाब ने वेरॉन 2008 खरीदी है. इसकी कीमत 7.35 करोड़ रुपये है. काले और सफेद रंग की इस खूबसूरत कार के लिये हुसैन साहब को जो रकम देनी पड़ी है, दरअसल वह रकम पिछले साल उनकी पेंटिंग बैटल ऑफ गंगा जमुना एंड महाभारत 12 से मिली है. उन्हें इसके लिये 7.84 करोड़ रुपये मिले थे. इस वक्त वह दुबई में आराम फरमा रहे हैं. उन्होंने अपनी पसंद का नंबर कार के लिये लिया है. और तो और कार की सीट पर उनका नाम भी छपा है. नंबर है-एफ-2020. हुसैन साहब ने हीरोइनों पर फिदा होने का टारगेट बदल लिया है.

यस मेडम, सर

मुंबई की मलिन बस्ती की जिंदगी पर बनी फिल्म स्लमडॉग मिलिनियर को दुनियाभर में वाहवाही मिलने के बाद भारत की पहली महिला आईपीएस अधिकारी किरण बेदी के जीवन पर आधारित वृत्तचित्र यस मैडम सर ने प्रतिष्ठित सैंटा बारबरा अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में जादू बिखेरते हुए दो शीर्ष पुरस्कार अपने नाम किये हैं. ऑस्ट्रेलियाई फिल्म निर्देशक मेगन डनमैन द्वारा निर्मित एवं निर्देशित यस मैडम सर को सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र के पुरस्कार स्वरूप एक लाख डॉलर तथा सोशल जस्टिस अवॉर्ड के तहत 2500 डॉलर का इनाम दिया गया. यह अब तक की सबसे ज्यादा ईनाम राशि है.

मुरली की तान

वाकई मुरली की तान का कोई जवाब नहीं. इनकी गेंदबाजी के सामने बड़े से बड़े धाकड़ बल्लेबाजों के भी छक्के छूट जाते हैं. श्रीलंकाई ऑफ स्पिनर मुथैया मुरलीधरन ने एक दिवसीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. मुरलीधरन ने पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम के 502 विकटों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है. मुरली ने यह उपलब्धि 328 वें एक दिवसीय मैच में हासिल की है. वहीं अकरम ने 356 मैचों में 502 विकेट लिये थे. उनकी मौजूदा फिटनेस और लय को देखते हुए 600 विकेट हासिल करने की संभावनाएं भी काफी प्रबल लग रही है.

गोल्फर जडेजा

कभी भारतीय क्रिकेट के धांसू बल्लेबाज रहे आज जडेजा अब एक बार फिर मैदान में उतर चुके हैं. इस बार उनके हाथ में एक बल्ला और निशाने पर बंद है. बस, अंतर इतना है कि यह खेल क्रिकेट नहीं, गोल्फ है. हालांकि कोलकाता के टालीगंज क्लब में हुए पीजीटीआई की प्लेयर्स गोल्फ चैंपियनशिप में जडेजा फिसड्डी रहे. और दूसरे राउंड में ही बाहर हो गये. इससे पहले जडेजा ने फिल्मों में भी हाथ आजमाया था, लेकिन बदकिस्मती से अजय का सिक्का वहां नहीं चला. खैर, अब देखना है कि यह नई फील्ड उन्हें रास आती है या नहीं. अजय बस इस बात का ध्यान रहे कि क्रिकेट की तरह यहां भी फिक्सिंग मत कर देना.

अब आईपीएल में दांव

बॉलीवुड की हीरोइनें क्रिकेट में अच्छी-खासी दिलचस्पी ले रही हैं. ट्वेंटी-20 के आईपीएल टूर्नामेंट में प्रीति जिंटा की किंग्स इलेवन और जूही चावला की कोलकाता नाइटराइडर्स के बाद अब शिल्पा शेट्टी राजस्थान रॉयल्स के द्वारा क्रिकेट में आगाज कर चुकी हैं. शिल्पा ने अपने एनआरआई ब्वॉयफ्रेंड राज कुंद्रा के साथ मिलकर ट्वेंटी-20 की पिच पर 1.54 करोड़ डॉलर लगाये हैं. शिल्पा ने 3 करोड़ की लागत से टीम के लिये म्यूजिक एलबम बनाने की घोषणा की है. शिल्पा ने पिछली बार की चैंपियन राजस्थान रॉयल्स टीम में 12 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा की है. लंदन की कंपनी इमर्जिंग मीडिया ग्रुप ने इस टीम को खड़ा किया है. अब देखना यह है कि यूपी-बिहार लूटने वाली शिल्पा आईपीएल लूट पाती है या नहीं.

PH: 2578080
VELOCITY
ENJOY LADIES
लंच किटी पार्टी
रूपये 175 प्रति व्यक्ति

Fine Dining Restaurant
MOONSHADOWS
fine dining
@Velocity Multiplex
Call : 98264 27202 & 99264 99173

टिकिट दरों में भारी कमी
All days, all Shows before 10:00 AM
Rs. 50/- Flat

देहली - 6
9:30am, 12:05, 1:30, 2:45, 4:00, 5:15, 6:30, 7:45, 9:15, 10:30pm
अंडरवर्ल्ड 3
9:45am, 5:30, 10:15pm
बिल्लू
9:30am, 2:45, 7:15pm
स्लमडॉग करोड़पति
11:15am
देव डी - 12:05pm

Call for Tele Booking : Mob: 99263-00990, 98264-27208, Ph: 2578080-85
Online Booking : www.velocitycinemas.com *Conditions apply

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं संपादक उत्तम झंवर द्वारा मे. मोर्या आर्ट प्रा.लि. के लिये अपनी दुनिया प्रिन्टर्स १३, प्रेस काम्पलेक्स एबी रोड इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं ३०५ मोर्या आर्केड १/२ ओल्ड पलासिया, इंदौर में प्रकाशित फोन : ४०४१२६८

cmyk